बहुत सारे स्टेट्स में 12-15 साल के contract school teachers हैं। Contract school teachers चाहते हैं कि वे इतने सालों से रेगुलर स्कूल में जाकर सर्विस दे रहे हैं, लेकिन उनको स्टेट गवर्नमेंट पर्मानेन्ट नहीं कर रही है और सेंट्रल गवर्नमेंट से भी कोई जवाब नहीं मिला है। इसलिए वे लोग संघर्ष करते हुए आंदोलन में शामिल हो रहे हैं। ऐसा ही एक आंदोलन बिहार स्टेट में 18 जुलाई को हुआ, उसमें 18 स्कूल्स के contract teachers शामिल हुए, इसमें barricade तोड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें इतनी बुरी तरीके से पीटा, जिसमें वे सारे contract teachers घायल हुए। सर, इसमें सिर्फ contract teachers ही नहीं, बल्कि लाखों परिवार जुड़े हुए हैं। इसलिए मैं निवेदन करती हूं कि सेंट्रल गवर्नमेंट कुछ करे। आर्थिक सहायता के बिना मदद नहीं मिलेगी। जैसे त्रिपुरा में 10,323 contract teachers हैं, पश्चिमी बंगाल, बिहार, यू.पी., दिल्ली, हरियाणा आदि स्टेट्स में हैं। उन लोगों के लिए मैं सेंट्रल गवर्नमेंट से यह निवेदन करती हूं कि उनको रेगुलर करने के लिए स्टेट्स की आर्थिक सहायता करे।

**प्रो. मनोज कुमार झा** (बिहार): सभापति महोदय, मैं स्वयं को इस विषय के साथ संबद्ध करता हूं।

DR. K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI ELAMARAM KAREEM (Kerala): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

### Need for funds for completion of Craft Village Project in Odisha

**श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम** (ओडिशा): सभापति महोदय, मैं रघुराजपुर क्राफ्ट village प्रोजेक्ट के बारे में बोलना चाहती हूं। पुरी डिस्ट्रिक्ट में रघुराजपुर handicraft के काम के लिए world famous है। वहां wood carving, palm leaf engraving, जिसे पट्टचित्र बोलते हैं और Patroi के काम के लिए world famous है। वर्ष 2015 में भारत सरकार ने क्राफ्ट विलेज प्रोजेक्ट के लिए 10 करोड़ रुपए का फण्ड सैंक्शन किया था। सर, Development Commissioner (Handicrafts) ने 6 करोड़ रुपये का फण्ड रिलीज़ किया है and this has been fully utilised. मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करती हूं कि जो 4 करोड़ रुपये का फण्ड बैलेंस था, उसको जल्द से जल्द रिलीज़ किया जाए, ताकि crafts village project का काम पूरा हो सके, धन्यवाद।

SHRI PRASHANTA NANDA (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

**Need for giving benefit of Government schemes to contract farm labourers**

**श्री राम कुमार कश्यप** (हरियाणा): सर, मैं आपके माध्यम से ऐसे किसान जो ज़मीन को ठेके पर लेकर खेती करते हैं, उनकी समस्या की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सर, किसानों का राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान है, किसान वर्ग एक ऐसा वर्ग है, जो रात-दिन मेहनत करके सारे देशवासियों के पेट पालने का काम करता है। और उनकी मेहनत के कारण ही आज हम खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर हैं। आज खेती करना घाटे का सौदा हो गया है। इसके कई कारण हो सकते हैं और मैं कारणों पर नहीं जाना चाहता हूं, जिसके कारण किसानों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर हो गई है। वे कर्ज में डूबे हुए हैं, वे आत्महत्याएँ करने के लिए मजबूर हैं।

महोदय, सरकार ने उनके कल्याण के लिए बहुत-सी कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं - जैसे अभी सरकार ने प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना चलाई है, जिसमें हर किसान को, चाहे परिवार में कितने भी मेम्बर हैं, जिनके नाम ज़मीन है, उसमें हरेक मेम्बर को 6,000 रुपये देने का काम किया है और उससे किसानों का बहुत कल्याण होता जा रहा है। मैं इस योजना का स्वागत करता हूं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि ऐसे किसान जो ठेके पर लेकर खेती करते हैं, उनको इस प्रकार की योजना का लाभ नहीं हो रहा है क्योंकि इनकी समस्या भी वैसी ही है, जो उनकी समस्या है। इनका कसूर सिर्फ यह है कि ये ऐसे परिवारों में पैदा हुए हैं, और जिनके नाम कोई ज़मीन नहीं है। ये ठेके पर लेकर जमीन करते हैं। आज हरियाणा में एक एकड़ ज़मीन का ठेका 45,000 रुपये से लेकर 65,000 रुपये तक है। मैं कह सकता हूं ऐसा किसान जो 65,000 रुपये लेकर एक एकड़ में खेती करता है, उसकी समस्या क्या हो सकती है? ऐसे किसानों के बारे में भी हमें सोचना होगा। महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि ऐसे किसान जो ठेके पर लेकर काम करते हैं, उनके लिए भी कल्याणकारी योजना बनाएं, तभी वे विकास की धारा से जुड़ सकेंगे।

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.